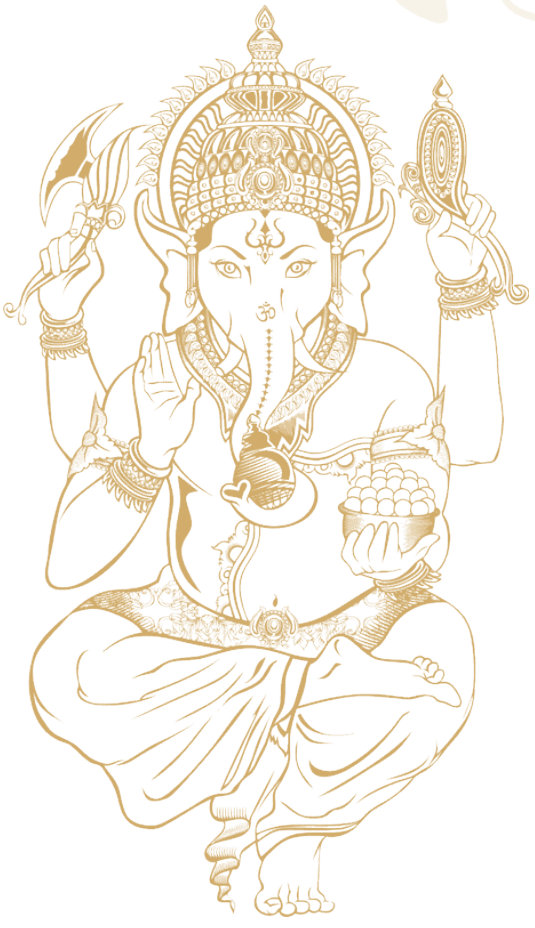

Pradeep Suprabha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121580305

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/1986	जन्म तिथि	10/11/1990
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 03:02:47	जन्म समय(घटी)	03:16:22 घटी
India	देश	India
Rewari	स्थान	Kaithal
28:11:00 उत्तर	अक्षांश	29:47:00 उत्तर
76:37:00 पूर्व	रेखांश	76:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:32	स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:53	सूर्योदय	06:44:30
17:48:20	सूर्यास्त	17:31:17
23:39:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:59

विंशोत्तरी
राहु 4वर्ष 8मा 6दि

बुध	**21/09/2025**
	21/09/2042
बुध	18/02/2028
केतु	14/02/2029
शुक्र	16/12/2031
सूर्य	21/10/2032
चन्द्र	23/03/2034
मंगल	20/03/2035
राहु	06/10/2037
गुरु	12/01/2040
शनि	21/09/2042

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
19:24:41	मक	लग्न	वृश्चि	08:50:25
29:59:08	धनु	सूर्य	तुला	23:41:54
16:31:45	कुंभ	चंद्र	सिंह	00:37:00
24:53:27	तुला	मंगल व	वृष	17:50:42
18:54:08	धनु	बुध	वृश्चि	04:53:47
27:29:01	मक	गुरु	कर्क	19:12:41
28:39:35	धनु	शुक्र	तुला	25:49:57
12:48:06	वृश्चि	शनि	धनु	26:48:11
11:53:06	मेष व	राहु व	मक	07:34:43
11:53:06	तुला व	केतु व	कर्क	07:34:43
26:34:32	वृश्चि	हर्ष	धनु	13:10:06
10:24:47	धनु	नेप	धनु	18:40:12
13:30:12	तुला	प्लूटो	तुला	23:57:46

विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 8मा 3दि

चन्द्र	**15/07/2023**
	14/07/2033
चन्द्र	14/05/2024
मंगल	13/12/2024
राहु	14/06/2026
गुरु	14/10/2027
शनि	14/05/2029
बुध	14/10/2030
केतु	15/05/2031
शुक्र	13/01/2033
सूर्य	14/07/2033

लग्न-चलित

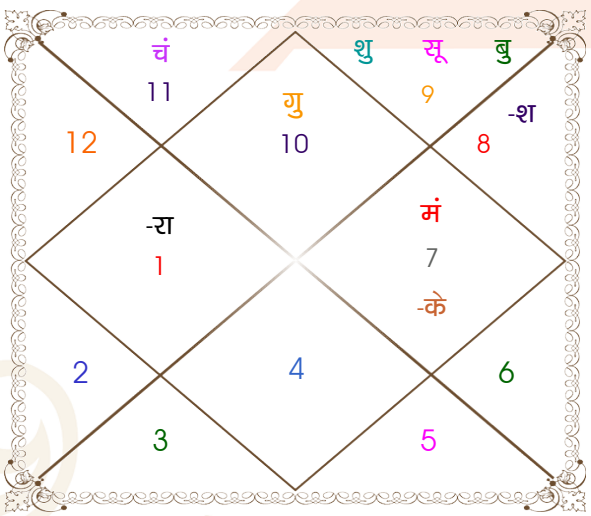

लग्न-चलित

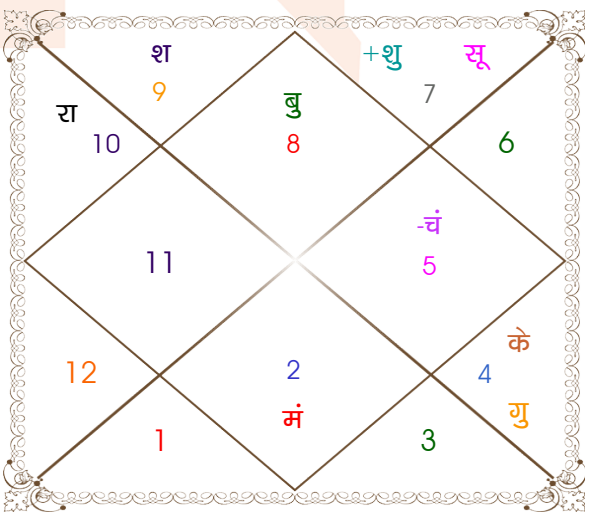

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Pradeep का वर्ग मेष है तथा Suprabha का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pradeep और Suprabha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Pradeep मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Suprabha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Suprabha कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Pradeep कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pradeep तथा Suprabha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।